BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

साप्ताहिक पाठ योजना

कक्षा – छठी

विषय- हिंदी

सप्ताह- 11/1/21 से 15/1/21 तक कालांश –3

उपविषय - **मैं सबसे छोटी होऊँ**

अधिगम प्रतिफल :-

1) छात्र अपने बचपन की सुहानी घटनाओं को स्मरण कर सकेंगे।

2) छात्र ममत्व तथा वात्सल्य भाव से परिचित हो सकेंगे।

3) छात्रों की मनोवैज्ञानिक सोच में बढ़ोतरी हो सकेगी।

4) छात्रों के शब्दभंडार में वृद्धि हो सकेगी।

निर्देशात्मक सहायक सामग्री :-

https://www.youtube.com/watch?v=2NDzom8tJXo&feature=youtu.be&ab_channel=HindiClass6th

https://www.youtube.com/watch?v=q5302pHLKJQ&feature=youtu.be&ab_channel=NCERTOFFICIAL

https://www.youtube.com/watch?v=wc4zY6WklL8&feature=youtu.be&ab_channel=KritiEducationalVideos

पाठ परिवर्धन :-

कालांश -1

कविता का भावार्थ

'मैं सबसे छोटी होऊँ'' शीर्षक कविता एक बाल गीत है। जिसमें एक बच्ची अपनी माँ की सबसे छोटी संतान बनने की लालसा रखती है। वह छोटी संतान बनकर लंबे समय तक अपनी माँ का प्यार पाना चाहती है। वह छोटी रहकर अपनी माँ की गोद में सोना चाहती है। माँ का आँचल पकड़कर वह हमेशा उसके साथ-साथ रहना चाहती है। वह बड़ी होकर माँ से अलग नहीं होना चाहती। उसे डर है कि बड़े हो जाने पर माँ उसके साथ नहीं रहेगी। वह अपने हाथों से नहीं खिलाएगी न ही उसे हाथ मुँह धोकर सजाएगी। वह उसे परियों की कहानी नहीं सुनाएगी और न ही उसे खिलौने देगी। वह बड़ी होकर माँ का स्नेह खोना नहीं चाहती। वह माँ की आँचल में रहकर अपने को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती है।

बड़ा बनाकर पहले हमको
तू पीछे छलती हो मात !
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिन-रात !

शब्दार्थ–**अंचल**–आँचल, साड़ी का छोर। **फिरूँ**–घूमूँ। **छलती**–धोखा देती। **मात**–माँ।

प्रसंग–प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक 'वसंत भाग 1' में संकलित कविता 'मैं सबसे छोटी होऊँ,' पाठ से ली गई हैं। इसके रचयिता सुमित्रानंदन पंत जी हैं। इन पंक्तियों में बालिका अपनी माँ की सबसे छोटी संतान बनने की कामना करती है।

व्याख्या–इन पंक्तियों में एक छोटी बच्ची अपनी माँ की सबसे छोटी संतान बनकर रहना चाहती है। ताकि वह माँ की गोद में सो सके। और माँ के आँचल पकड़कर उसके साथ-साथ घूमे। वह अपनी माँ का साथ छोड़ना नहीं चाहती। बच्ची के मन में यह डर है कि माँ उसे बड़ा बनाकर उससे छल करेगी। बड़े हो जाने पर माँ उसका हाथ नहीं पकड़ेगी, साथ में नहीं खेलेगी। इसलिए वह हमेशा छोटी बनकर रहना पसंद करती है ताकि माँ का साथ कभी न छूटे।

क्रियाकलाप :-

छोटी होने के फायदे और नुकसान लिखिए।

कालांश -2

२. *अपने कर से खिला, धुला मुख,*
धूल पोंछ, सज्जित कर गात,
थमा खिलौने, नहीं सुनाती
हमें सुखद परियों की बात !
ऐसी बड़ी न होऊँ मैं,

तेरा स्नेह न खोऊँ मैं,
तेरे अंचल की छाया में
छिपी रहूँ निस्पृह, निर्भय,
कहूँ–दिखा दे चंद्रोदय !

शब्दार्थ–**कर**–हाथ। **मुख**–मुँह। **गात**–शरीर। **सुखद**–सुख देने वाली। **निर्भय**–निडर। **निस्पृह**–बिना इच्छा के। **चंद्रोदय**–चाँद का निकलना।

प्रसंग–प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक 'वसंत भाग 1' में संकलित कविता 'मैं सबसे छोटी होऊँ," पाठ से ली गई हैं। इसके रचयिता सुमित्रानंदन पंत जी हैं। उन्होंने इस कविता के माध्यम से एक छोटी बच्ची के मन की बातों को उजागर किया है।

व्याख्या–प्रस्तुत पंक्तियों में एक छोटी बच्ची अपनी माँ की सबसे छोटी संतान बनकर रहना चाहती है ताकि उसे माँ का साथ एक लम्बे समय तक मिल सके। उसे डर है कि बड़े होने पर माँ उसे खिलाकर, तैयार करके, हाथों में खिलौने देकर अलग कर देगी। वह उसे न तो परियों की कहानी सुनाएगी ओर न अपनी गोद में सुलाएगी। वह बड़ी होकर माँ का प्यार खोना नहीं चाहती। वह माँ की आँचल रूपी छाया में रहकर अपने को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती है। वह चाहती है कि सदैव माँ की आँचल में खेलती रहे और माँ से चंद्रोदय दिखाने की जिद करती रहे।

कठिन शब्दों के अर्थ -

- अंचल - आँचल
- छलना - धोखा देना
- मात - माता, माँ
- कर - हाथ
- सज्जित - सजाना
- गात - शरीर
- सुखद - सुख प्रदान करने वाली
- निस्पृह – जिसे कोई इच्छा न हो
- निर्भय – जिसे कोई डर न हो
- चंद्रोदय – चाँद का निकलना

कालांश -3

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखिए।

क. बालिका क्या नहीं छोड़ना चाहती?

ख. कविता में बच्ची छोटी क्यों बनी रहना चाहती है?

ग. कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?

घ. **बचपन सुहाना क्यों होता है?**

प्रश्न 2. विलोम शब्द लिखिए।

- छोटी -
- दिन -
- सुखद-
- बड़ा -
- पीछे -

प्रश्न 3. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।

- माँ -
- रात -
- हाथ -
- गात -

प्रश्न4. नीचे दिए गए शब्दों में अंतर बताओ, उनमें क्या फ़र्क है?

- स्नेह – प्रेम
- ग्रह – गृह
- शांति – सन्नाटा
- निधन – निर्धन
- धूल – राखे
- समान – सामान

क्रियाकलाप (student Activity)

अपने बचपन की कोई ऐसी घटना का वर्णन कीजिए , जिसे आप भुला नहीं सकते।

मूल्यांकन (Assesment)

मौखिक चर्चा , गृह कार्य , साप्ताहिक परीक्षा , चक्रीय परीक्षा ।